राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखाशास्त्र

पाठ 3 : लेखांकन परिपाटियाँ एवं मानक

कार्यपत्रक-3

1. 'सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांत' (GAAP) पर संक्षिप्त नोट लिखें । यह कैसे वर्तमान में लेखांकन के संदर्भ में प्रासंगिक है?

2. 'सरता की परिपाटी' को संक्षेप में समझाएं। उदाहरण दीजिए।

3. निम्नलिखित मामलों में लेखांकन मानक की पहचान करें:
   i. आकस्मिक देयताओं एवं परिसम्पत्तियों के लिए प्रावधान
   ii. अंतरिम वित्तीय रिपोर्टिंग
   iii. एकीकृत वित्तीय विवरण
   iv. अवक्षयण लेखांकन

4. लेखांकन मानकों को परिभाषित करें? इनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालें ।

5. "कोई लाभ होने की आशा न करें, लेकिन सभी संभावित हानियों के लिए प्रावधान करें"। 'रूढ़िवादिता की परिपाटी' के सन्दर्भ में इस कथन की व्याख्या करें।

6. उदाहरण के साथ 'पूर्ण प्रकटीकरण की परिपाटी' की व्याख्या करें।

7. 'उद्यम द्वारा पालन की जाने वाली लेखांकन नीतियों और प्रथाओं को एक समान अवधि के लिए एकसमान और सुसंगत होना चाहिए।' इस कथन को उपयुक्त उदाहरण के साथ समझाइए।

8. 'लेखांकन परिपाटी' से आप क्या समझते हैं?

9. 'समनुरूपता की परिपाटी' के संदर्भ में 'विमात्मक समनुरूपता' पर संक्षेप में नोट लिखें।

10. निम्नलिखित स्थितियों में अपना निर्णय दें:

i. वर्ष के अंत में किसी व्यवसाय के पास स्टॉक बचता है। लागत मूल्य 3, 00,000 है और बाजार मूल्य 3,50,000 है। बचे हुए स्टॉक को किस मूल्य पर दर्ज किया जाए?

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : लेखाशास्त्र

पाठ 3 : लेखांकन परिपाटियाँ एवं मानक

कार्यपत्रक-3

ii. एक व्यापारी यह अनुमान लगाता है कि उसे एक देनदार से 1,50,000 वापस लेना संभव नहीं हो सकता है। क्या वह इस लेन-देन को खातों की किताबों में दर्ज करेगा और यदि हां तो किस मूल्य पर?